प्रो. आर के सिन्हा ने निदेशक, सीरी का कार्यभार संभाला

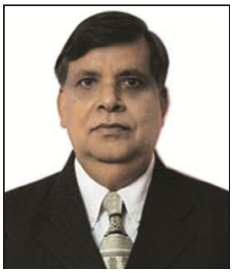

प्रो. आर के सिन्हा, निदेशक, सीरी

प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक प्रो रविन्द्र कुमार सिन्हा ने सीएसआईआर की पिलानी स्थित राष्ट्रीय प्रयोगशाला केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक के रूप में 6 नवंबर 2015 को कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. सिन्हा वर्तमान में सीएसआईआर की चंडीगढ़ स्थित प्रयोगशाला केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन के भी निदेशक हैं। प्रो. सिन्हा ने सीएसआईआर द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के क्रम में 6 नवंबर 2015 (अपराह्न) को सीएसआईआर- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के निदेशक का अतिरिक्त दायित्व भी सँभाला।

सीएसआईआर-सीरी में अपना दायित्व सँभालने के उपरांत मुख्य सभागार में संस्थान सहकर्मियों को संबोधित करते हुए अपने संक्षिप्त उद्बोधन में **प्रो आर के सिन्हा** ने कहा कि सीएसआईआर द्वारा इस प्रतिष्ठित संस्थान के निदेशक का अतिरिक्त दायित्व सँभालते हुए उन्हें बहुत प्रसन्नता है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए भार नहीं अपितु जिम्मेदारी है जिसे मैं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अन्य सहकर्मियों के सहयोग से पूरा करूँगा। उन्होंने कहा कि वे सीरी को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे। नए और युवा वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए उन्होंने उन्हें नई प्रायोजित परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हमें इलेक्ट्रॉनिक्स के द्वारा भारतीय जनमानस के लिए नए-नए उत्पाद विकसित कर भारत सरकार की **'स्वच्छ भारत, समर्थ भारत और सशक्त भारत'** की संकल्पना को साकार करना होगा। उन्होंने सभी वैज्ञानिक साथियों से नई चुनौतियाँ स्वीकार करने और स्थापित वैज्ञानिक सिद्धांतों का समीक्षात्मक विश्लेषण करने का भी आह्वान किया। अपने छात्र एवं शैक्षणिक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वे आरंभ से ही इसी प्रकार विज्ञान के सिद्धांतों और नियमों का समीक्षात्मक अध्ययन करते थे। सीएसआईआर-सीरी की कार्य संस्कृति की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान या संगठन को उसके सहकर्मी ही चलाते हैं और निदेशक इसमें इस संस्थान के निदेशक के रूप में वे पूर्ण सहयोग देंगे। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने संस्थान के सहकर्मियों को अपनी ओर से यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि वे संस्थान के सभी सहकर्मियों के लिए ई-मेल और दूरभाष पर हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

इससे पूर्व संस्थान के वरिष्ठतम प्रमुख वैज्ञानिक **श्री राहुल वर्मा** ने संस्थान में प्रो सिन्हा का स्वागत किया और सहकर्मियों को प्रो. सिन्हा का परिचय देते हुए उनकी शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री महेन्द्र सिंह**, अनुभाग अधिकारी ने कहा कि संस्थान के सभी सहकर्मियों की ओर से प्रो. सिन्हा के प्रथम पिलानी आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि संस्थान के सभी वैज्ञानिक एवं अन्य साथी आपके साथ कार्य करने के लिए उत्सुक एवं तत्पर हैं।

प्रो. आर के सिन्हा का संक्षिप्त परिचय

प्रो. रविन्द्र कुमार सिन्हा का जन्म 15 फरवरी 1960 को हुआ। प्रो. सिन्हा ने वर्ष 1984 में आईआईटी, खड़गपुर से भौतिकी विषय में एम.एस.सी. और वर्ष 1990 में आईआईटी, नई दिल्ली से फाइबर ऑप्टिक्स तथा ऑप्टिकल कम्युनिकेशन (Fiber Optics & Optical Communication) में पीएच.डी. (Ph. D.) की डिग्री प्राप्त की।

प्रो. सिन्हा को अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों, सम्मानों व फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। संस्थान में पदभार ग्रहण करने से पूर्व डॉ सिन्हा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी में अप्लाइड फिजिक्स में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, डीन – अकैडेमिक, डीन -

औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास आदि के रूप में अनेक शैक्षणिक एवं अनुसंधान पदों को सुशोभित किया। **फुलब्राइट स्कॉलर** प्रो. सिन्हा अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थाओं के सदस्य, फेलो एवं फैकल्टी एडवाइजर हैं।

कार्यानुभव

आपने वर्ष 1991 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलूरू ; वर्ष 1992-94 के दौरान **बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (BITS), पिलानी** ; वर्ष 1994-98 में आरईसी (अब एनआईटी), हमीरपुर ; और 31 दिसम्बर, 1998 से 1 जुलाई, 2015 तक दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग-डीसीई (अब दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-डीटीयू) में विभिन्न अनुसंधान एवं शैक्षणिक पदों पर कार्य किया। आपने डीसीई/डीटीयू दिल्ली में : (1) डीन (अकादमिक-यूजी)-जनवरी 2015 से जून 2015 (2) डीन (औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास) वर्ष 2008 से 2010 (3) प्रमुख, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग (Head, Deptt. of Applied Physics) - मार्च 2009 से जुलाई 2012 (4) चीफ वार्डन (Chief Warden) - वर्ष 2003 से 2006, पदों पर कार्य किया।

प्रो. सिन्हा ने दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-DTU (पूर्व में दिल्ली इंजीनियरिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) में अक्टूबर 2002 से अनुप्रयुक्त भौतिकी (Applied Physics) के प्रोफेसर एवं वर्ष 2005 में डीटीयू के उद्भव के समय से फाइबर ऑप्टिक्स एवं ऑप्टिकल कम्युनिकेशन (Fiber Optics & Optical Communication) में प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (TIFAC) - सेन्टर ऑफ रेलेवेंस एंड एक्सीलेंस (CORE) के प्रमुख समन्वयक पद पर कार्य किया।

अनुसंधान कार्य एवं शोध पत्र /पुस्तकें

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (95) और सम्मेलन कार्यवाहियों (138) में आपके 233 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। आपने चार पुस्तकों में अध्याय और 2 पुस्तकें लिखी हैं तथा 1 पेटेण्ट दर्ज (File) करवाया है। प्रो. सिन्हा ने 14 पीएच.डी. शोध प्रबंध और सरकारी एवं निजी क्षेत्र द्वारा प्रायोजित 20 से अधिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का पर्यवेक्षण किया है।

प्रमुख पुरस्कार व सम्मान

(1) वर्ष 2012 में टेलिकॉम ग्रेड ऑप्टिकल फाइबर एवं ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ के क्षेत्र में श्रेष्ठ अनुसंधान के लिए आईईटीई द्वारा **बिमन बिहारी सेन स्मृति पुरस्कार (Biman Bihari Sen Memorial Award)** ;

(2) नैनो फोटॉनिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध कार्य के लिए इमरजिंग ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी पुरस्कार [(Emerging Opto-Electronics Technology Award) CEOT – IETE, India 2006] ;

(3) नैनोस्ट्रक्चर इलेक्ट्रॉन वेवगाइड्स एंड डिवाइसिस पर आईईटीई तकनीकी समीक्षा **2002** में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए **एस. के. मित्रा स्मृति पुरस्कार** (SK Mitra Memorial Award) प्रदान किया गया।

(4) उनके द्वारा सह-लेखक (Co-Author) के रूप में लिखित शोध पत्रों को भी कई पुरस्कार प्राप्त हुए - इसमें क) राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा नैनो-स्केल ऑप्टिकल डिवाइसेज़ के क्षेत्र में **वर्ष 2001** के लिए **स्वर्ण जयंती पुरस्कार (स्वर्ण पदक)** Golden Jubilee Award (Gold Medal) ;

ख) **रिलायंस प्रौद्योगिकी पुरस्कार (Reliance Technology Awards) 2010** ;

ग) **एसपीआईई 2014** सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुतीकरण पुरस्कार (Best Research Presentation Award) तथा

घ) **ओएसआई-2014 दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतीकरण** पुरस्कार (IInd Best Poster Presentation Award) शामिल हैं।

आमंत्रित व्याख्यान, शैक्षणिक दौरे एवं अध्येता वृत्ति (फेलोशिप)

प्रो. सिन्हा **फुलब्राइट स्कॉलर** हैं - वर्ष 2013 में अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासक के रूप में 12 से भी अधिक अमरीकी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च शिक्षा प्रणाली एवं पद्धति की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त

करने के लिए उन्हें **फुलब्राइट-नेहरू फैलोशिप (Fulbright-Nehru Fellowship)** प्रदान की गई। फरवरी 2010 में सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एन ओ पी टी' में वे प्रमुख वक्ता थे।

आपको –

(1) फोटॉनिक क्रिस्टल आधारित नैनो फोटोनिक उपस्करों पर सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य करने एवं आमंत्रित व्याख्यान देने के लिए नैशनल साइंस काउंसिल, ताइवान फैलोशिप-2009 सम्मान प्रदान किया गया।

(2) नैनो फोटॉनिक उपस्करों के क्षेत्र में ईपीएफएल स्विट्ज़रलैंड एवं डीटीयू, दिल्ली, भारत के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में पहल करने के लिए **इण्डो-स्विस बाइलेटरल रिसर्च फैलोशिप** (Indo-Swiss Bilateral Research Fellowship) **-2009**

(3) फोटॉनिक क्रिस्टल वेवगाइड्स एवं डिवाइसेज़ के क्षेत्र में ग्लासगो यूनिवर्सिटी, यूके में अनुसंधान कार्य करने के लिए **रॉयल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (यू.के.) फैलोशिप** (Royal Academy of Engineering (UK) Fellowship- 2008

(4) मल्टीकोर फोटॉनिक क्रिस्टल फाइबर के क्षेत्र में होकायडो यूनिवर्सिटी, सापोरो, जापान में शोध कार्य करने के लिए **जापान सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस इन्वाइटेड फेलोशिप(Japan Society for Promotion of Science Invited Fellowship-2007**

(5) यू.के. के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और उनके संगठन के बीच सहयोगात्मक शोध प्रारंभ करने के लिए **ब्रिटिश कांउसिल ऑफ इंडिया से यूकेआईईआरआई फेलोशिप - 2006**

(6) आपने वर्ष 2002 में स्टैन्फोर्ड यूनिवर्सिटी और वर्ष 2005 में एमआईटी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी व बोस्टन यूनिवर्सिटी का शैक्षणिक दौरा किया।

(7) आई सी टी पी ट्राएस्टे, इटली में - **विज़िटिंग सांइटिस्ट फेलोशिप** (Visiting Scientist Fellowship)-**1991** ; **आई आर ओ एस टी फेलोशिप** (IROST Fellowship)**1992** एवं वर्ष 1995 में **ब्राज़ील में यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्पीनास में विज़िटिंग सांइटिस्ट।**

(8) वर्ष 1989-91 के दौरान जापान में ओसाका यूनिवर्सिटी एवं कोबे यूनिवर्सिटी में कार्य करने के लिए **जापान सरकार की छात्रवृत्ति** प्राप्त की।

प्रो. आर. के. सिन्हा **इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ ऑप्टिकल इंजीनियर्स** (International Society of Optical Engineers) और **ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया** (Optical Society of India) के **फेलो** हैं तथा ऑप्टिकल सोसायटी, यूएसए (Optical Society, USA), आई ई ई ई (IEEE) व आई ई ई ई की फोटॉनिक्स सोसायटी (Photonics Society of IEEE) के सदस्य हैं। वे डीटीयू में एस पी आई ई - डी सी ई चैप्टर और ओ एस ए - डी सी ई चैप्टर के **संकाय सलाहकार** (Faculty Advisor) भी हैं। प्रो. सिन्हा मानव रहित एवं स्वायत्त वाहनों की परिकल्पना एवं विकास से संबंधित अनेक परियोजनाओं और छात्र-नेतृत्व में 'नवाचार एवं उत्पाद विकास (Innovation & product development)' पर केन्द्रित ज्ञान एवं नवाचार पार्क (Knowledge & Innovation Park) की स्थापना के कार्य में सक्रियता से जुड़े रहे हैं।